707

BC-18

December - Examination 2019

B. Com. Pt. III Examination

International Business

Paper - BC-18

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

Note: The question paper is divided into three sections, which is as under:

निर्देश : यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित है जो की निम्नानुसार है

Section - A **7 × 2 = 14**

(Very Short Answer Questions)

Note: Examinees have to attempt all questions. Each question is of 02 marks and maximum word limit is 30 words.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : परीक्षार्थियों को सभी प्रश्नों को हल करना है। प्रत्येक प्रश्न के 02 अंक हैं और अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है।

1) (i) What is meant by international trade?
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या आशय है?

(ii) Give any two differences between balance of trade & balance of payment.
व्यापार सन्तुलन तथा भुगतान सन्तुलन में कोई दो अन्तर बताइये।

(iii) What do you mean by terms of trade?
व्यापार की शर्तों से आपका क्या आशय है?

(iv) Differentiate between revocable and irrevocable credit.
खण्डनीय तथा अखण्डनीय साख में अन्तर लिखिए।

(v) What is meant by devaluation by money?
मुद्रा के अवमूल्यन से क्या आशय है?

(vi) Explain forward exchange rate.
अग्रिम विनिमय दर समझाइये।

(vii) Give the meaning of regional economic organization.
क्षेत्रीय आर्थिक संगठन का अर्थ बताइये।

Section - B **4 × 7 = 28**

(Short Answer Questions)

Note: Section 'B' contains eight short answer type questions. Examinees will have to answer any 04 questions. Each question is of 07 marks. Examinees have to delimit each answer in maximum 200 words.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : खण्ड 'बी' में आठ लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं, परीक्षार्थियों को किन्हीं 04 सवालों के जवाब देने हैं। प्रत्येक प्रश्न 07 अंकों का है। परीक्षार्थियों को अधिकतम 200 शब्दों में प्रत्येक जवाब परिसीमित करने हैं।

2) Throw the light on the measures for correcting unfavourable balance of trade.
प्रतिकूल भुगतान सन्तुलन को सुधारने के उपायों पर प्रकाश डालिए।

3) Write a note on the importance sources of international finance.
अन्तर्राष्ट्रीय वित्त के प्रमुख स्त्रोतों पर टिप्पणी लिखिए।

4) Write short notes of favourable and unfavourable exchange rates.
अनुकूल एवं प्रतिकूल विनिमय दरों पर टिप्पणी लिखिए।

5) Describe the characteristics of SDRs.
विशेष आहरण अधिकारों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6) Explain the importance of documentary credit in international trade.
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रलेखीय साख के महत्व पर प्रकाश डालिए।

7) Explain the role of World Bank in the economic development of India.
भारत के आर्थिक विकास में विश्व बैंक का योगदान बतलाइये।

8) Write short note on the functions of UNCTAD.
अंकटाड के कार्यों की संक्षिप्त में टिप्पणी कीजिए।

9) What are the objectives of establishing the ECGC? Explain.
ईसीजीसी की स्थापना का उद्देश्य क्या है? वर्णन कीजिये।

Section - C **2 × 14 = 28**

(Short Answer Questions)

Note: Section 'C' contains four Long answer type questions. Examinees will have to answer any 02 questions. Each question is of 14 marks. Examinees have to delimit each answer in maximum 500 words.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : खण्ड 'स' में चार निबन्धात्मक प्रश्न हैं। परीक्षार्थियों को किन्हीं 02 प्रश्नों के जवाब देने हैं। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है। परीक्षार्थियों को अधिकतम 500 शब्दों में प्रत्येक जवाब परिसीमित करने हैं।

10) Explain the difference between classical and modern theories of international trade.
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिष्ठित और आधुनिक सिद्धांत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

11) What is the need and importance of international trade in modern times? Discuss the merits and demerits of international trade?
आज के युग में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता एवं महत्व क्या है? अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के गुण दोषों की विवेचना कीजिए।

12) What are the different parties connected with a letter of credit? Explain their functions and importance.
साख पत्र से सम्बन्धित विभिन्न पक्ष कौन से हैं? उनके कार्य और महत्व को स्पष्ट कीजिए।

13) Define globalization. Describe the negative effects on Indian economy.
वैश्वीकरण का अर्थ बताइये। भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का वर्णन कीजिए।

———